B.Ed. IInd year
knowledge language & curriculum

Topic :- पाठ्यक्रम विकास के चरण

1. **प्रथम चरण** :- समुदाय / समाज / राष्ट्र की आवश्यकताओं और माँगो की खोज एक अच्छे पाठ्यक्रम के विकास के लिए

समुदाय / समाज / राष्ट्र की आवश्यकताओं एवं माँगो की खोज करना प्रथम चरण है।

2. **द्वितीय चरण** :- उपयुक्त शैक्षिक उद्देश्यो और लक्ष्यो का निर्धारण लोगो की शैक्षिक आवश्यकताओं मांगो के

प्रकाश मे, शिक्षा के लक्ष्य एवं उद्देश्य निर्धारित किये जाते हैं। सामान्य और विशिष्ट उद्देश्यो को ध्यान मे रखा जाता है। दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन दोनो प्रकार के उद्देश्य निर्धारित किए जाते हैं।

3. **तृतीय चरण** :- उद्देश्यो की प्राप्ति के लिए उपयुक्त प्रकार के जीवन अनुभवो को सूचीबद्ध किया जाता है। ये अधिगम अनुभव बालको को प्रदान किये जाते हैं। यह पाठ्यक्रम का प्रमुख भाग है।

4. **चतुर्थ चरण** :- इस चरण मे मानवीय के साथ-2 अमानवीय संसाधनो की पहचान होती है। सम्भव और सुविधाजनक प्रकार के अनुभव को अन्तिम रूप प्रदान करके उनको पाठ्यक्रम मे सम्मिलित किया जाता है।

5. **पंचम चरण** :- शिक्षार्थियों को अनुभव प्रदान करने हेतु उत्तम नीतियो का निर्धारण किया जाता है, जिससे पूर्व निर्धारित लक्ष्यो की प्राप्ति हो सके।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

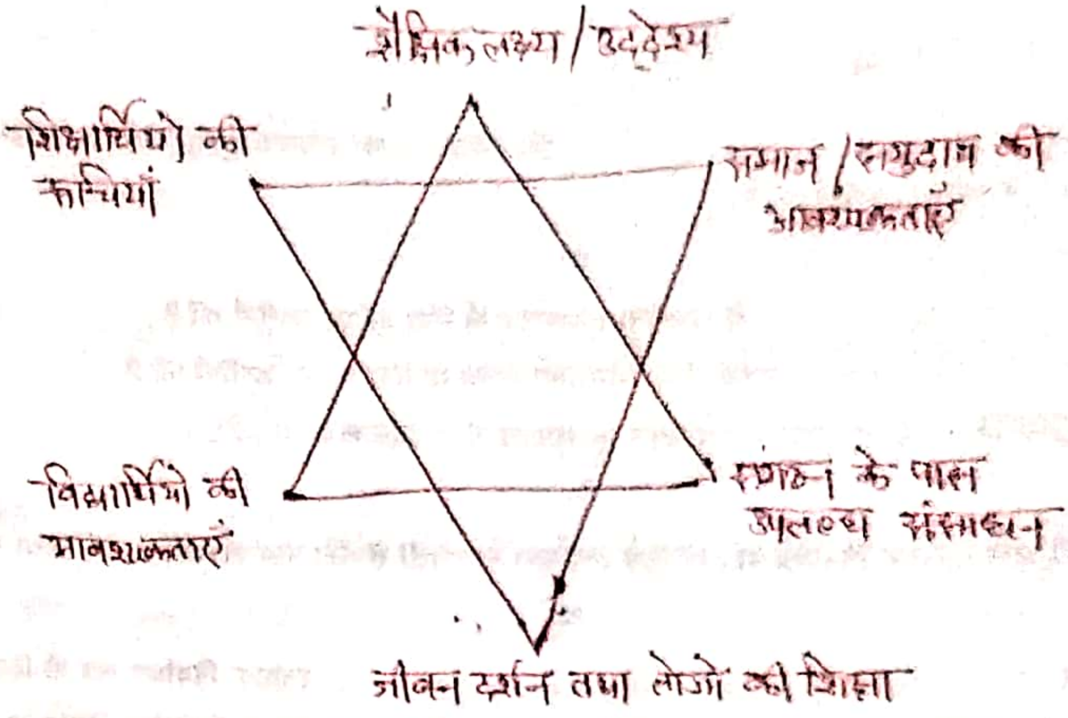
शैक्षिक लक्ष्य/उद्देश्य
शिक्षार्थियों की रुचियां
समाज/समुदाय की आवश्यकताएं
विद्यार्थियों की आवश्यकताएं
संगठन के पास उपलब्ध संसाधन
जीवन दर्शन तथा लोगों की शिक्षा

* पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया में विभिन्न अवस्थाएं *

1. नियोजन अवस्था
2. प्रयास अवस्था
3. लागूकरण अवस्था
4. मूल्यांकन अवस्था
5. पुनः निर्माण अवस्था

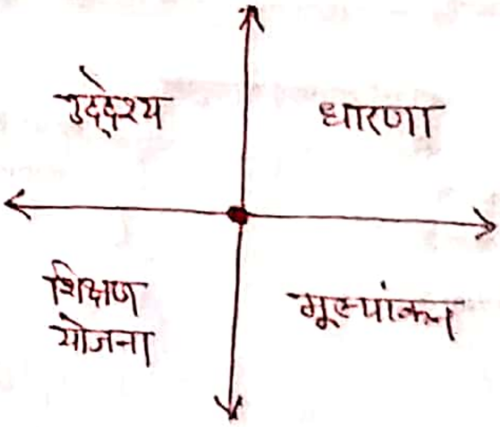
उद्देश्य
धारणा
शिक्षण योजना
मूल्यांकन

P.T.O.

* पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त *

1. विविधता और लचीलेपन का सिद्धान्त ।
2. प्रजातान्त्रिक मूल्यो को समाहित करने का सिद्धान्त
जैसे -
⇒ सामाजिक चेतना का ज्ञान
⇒ उत्तरदायित्व एवं सहयोग की भावना
⇒ नवीन विचारो का स्वागत
⇒ एक-दूसरे के सम्मान की भावना
⇒ समूह स्तर पर कार्य का सम्पादन
⇒ विस्तृत विचारधारा
⇒ कार्य एवं दायित्व मे सन्तुलन
⇒ समस्याओ का निदान
3. सामाजिक आदर्शों का सिद्धान्त ।
4. क्रियाशीलता का सिद्धान्त ।
5. उपयोगिता का सिद्धान्त ।
6. मनोवैज्ञानिक एवं तार्किक क्रम का सिद्धान्त
7. सृजनात्मकता का सिद्धान्त ।
8. प्रेरणा का सिद्धान्त ।
9. एकीकरण का सिद्धान्त ।
10. रुचि का सिद्धान्त ।
11. दूरदर्शिता का सिद्धान्त ।
12. अवकाश के क्षणो के सदुपयोग का सिद्धान्त ।
13. स्थानीय परिस्थितियो से सम्बन्धित करने का सिद्धान्त ।

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
Assis. Prof. -
B.R.C. Deoband
(SRE)

Scanned with CamScanner